**भारत और कनाडा के संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और विधि के शासन पर आधारित हैं : लोक सभा अध्यक्ष**

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 2020: कनाडा की संसद की सीनेट के स्पीकर, महामहिम जॉर्ज जे. फ्यूरे के नेतृत्व में कनाडा से आए एक संसदीय शिष्टमंडल ने आज संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला से मुलाकात की।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं जो लोकतांत्रिक मूल्यों और विधि के शासन पर आधारित हैं और दोनों देशों की सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच अनेक क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ रही है और हम अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि संसदें पूरे विश्व में शांति और स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, श्री बिरला ने कहा कि अंतरसंसदीय यात्राओं से देशों और विशेष रूप से दोनों लोकतांत्रिक देशों के सांसदों के संबंधों को मजबूत बनाने का अवसर प्राप्त होता है। इसीलिए सभी लोकतान्त्रिक देशों को संसदीय राजनय को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वर्तमान यात्रा से दोनों देशों के सांसदों को परस्पर हित और लाभ के मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

श्री बिरला ने कहा कि अप्रैल, 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा बहुत सफल रही और इस यात्रा के बाद भारत और कनाडा के द्विपक्षीय संबंध रणनीतिक भागीदारी में परिवर्तित हो गए जिससे भारत और कनाडा के संबंधों में एक नया आयाम जुड़ा है। उन्होंने फरवरी, 2018 में कनाडा के प्रधानमंत्री, जस्टिन ट्रूडो की भारत यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित संबंध और मजबूत हुए हैं।

श्री बिरला ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच मजबूत आर्थिक भागीदारी है तथा द्विपक्षीय व्यापार की संभावना के पूर्ण उपयोग के लिए प्रयास किए जाने की जरूरत है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि दोनों देश शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि और रक्षा के क्षेत्रों सहित ऊर्जा तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारी सशक्त आर्थिक भागीदारी और मजबूत होगी तथा परस्पर लाभ के संभावित क्षेत्रों में भागीदारी शुरू की जाएगी।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि दोनों देशों के लोगों के आपसी संबंध भारत और कनाडा के संबंधों का आधार हैं, इसीलिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कनाडा में भारतीय परम्पराओं और संस्कृति के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए कनाडा के शिष्टमंडल का आभार व्यक्त किया। श्री बिरला ने कहा कि कनाडा में महात्मा गांधी का बहुत सम्मान किया जाता है। उन्होंने 02 अक्तूबर को महात्मा गांधी के लिए समर्पित किए जाने के लिए कनाडा के शिष्टमंडल को धन्यवाद दिया।

श्री बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 25वें सम्मेलन में भाग लेने के लिए ओटावा के ऐतिहासिक शहर की अपनी हाल में की गई यात्रा का उल्लेख भी किया। उन्होंने कनाडा की संसद द्वारा भारतीय शिष्टमंडल का गर्मजोशी से आतिथ्य-सत्कार करने के लिए शिष्टमंडल का आभार व्यक्त किया।

प्रत्युत्तर में, महामहिम श्री जॉर्ज जे फ़्यूरे ने श्री बिरला को उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए उत्कृष्ट आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि उनकी भारत की यात्रा से नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। उन्होंने कनाडा के समाज और अर्थव्यवस्था में भारतीयों द्वारा दिए गए बहुमूल्य योगदान की सराहना की।